● **पढ़ो और गाओ :**

११. वीरों को प्रणाम

देश की मिट्टी का कण-कण है,
जिन्हें प्राण से प्यारा ।
प्रणाम ऐसे वीरों को,
सौ-सौ बार हमारा ।।
यह ऐसी धरती है जहाँ पर,
गंगा-जमना बहती ।
देश पर मर मिटने की,
हरदम धुन-सी रहती ।।
वीरों के बलिदान से,
चमका हिंद वतन का तारा ।
नमस्कार ऐसे वीरों को,
सौ-सौ बार हमारा ।।

JSPGAV

यह आजादी नहीं मिली है,
हमें किसी से भीख में ।
सीखा हम लोगों ने कुछ तो,
प्राणार्पण की सीख में ।।
देश की मिट्टी का कण-कण है,
जिन्हें प्राण से प्यारा ।
प्रणाम ऐसे वीरों को,
सौ-सौ बार हमारा ।।

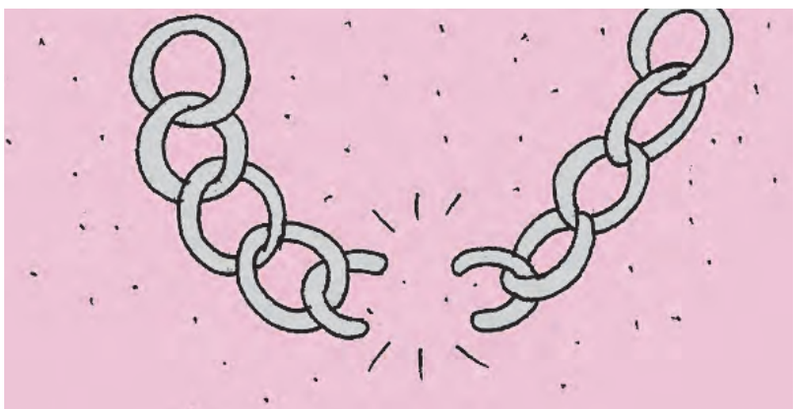

– रमेश दीक्षित

पंक्तियों को क्रम से लगाओ और पढ़ो :

१. प्राणार्पण की सीख में ।।
२. जिन्हें प्राण से प्यारा ।
३. सीखा हम लोगों ने कुछ तो,
४. देश की मिट्टी का कण-कण है,

❑ उचित हाव-भाव से कविता का सस्वर वाचन करें और करवाएँ । उचित लय-ताल में समूह, गुट, एकल पाठ करवाएँ । उनसे छोटे-छोटे प्रश्न पूछें । स्वतंत्रता सेनानियों के नाम कहलवाएँ । देशभक्ति की अन्य कविताएँ पढ़ने के लिए प्रेरित करें ।